census from 1981 to 1991;

(b) if so, whether the Government are aware that the data paints a dismal picture as far as employment situation is concerned, with one-third of population—300 million items estimated to be without work; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) As per Census data the number of non-workers who had reported themselves as seeking/available for work was of the order of 10.5 million.

Investment of EPF in Private Sector

3541. SHRI BANGARU LAXMAN: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it has been decided to invest the Employees Provident Fund amount in the private sector, including the Mutual Funds etc.;

(b) whether there is a controversy in Government as well as opposition from . the employees in this regard; and

(c) if so, the present stand of Government thereon?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise

सांस्थानिक पुसेतकालयों के लिए रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय को भेजी गई आशुल लिपि से संबंधित पुस्तकें

3542. श्री महेश्वर सिंह: क्या श्रम मंत्री यह वताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वित्तीय सहायता से प्रकाशित दो महत्वपूर्ण पुस्तकें, जिनके शीर्षक "आशलिपि हिन्दी शब्दकोष" और "आशलिपि विज्ञान का ऐतिहासिक, भाष-वैज्ञानिक एवं तुलनत्मक अध्यन" है, रोजगार और प्रशिक्षिण महानिदेशालय को भेजी गई थीं ताकि सांस्थानिक पुस्तकालयों के लिए उनकी संस्तुति की जा सके,

(ख) यदि हां, तो इन पुस्तकों की पुस्तकालयों के लिए संस्तुति न किए जाने के क्या कारण है,

(ख) यदि हां, तो इन पुस्तकों की पुस्तकालयों को लिए संस्तुति न किए जाने के क्या कारण है,

(ग) क्या उनके मंत्रालय का यह विचार है कि आशुलिपि जैसे कठिन विषय में पुस्तक के बिना भी विशेषज्ञता और कुशलता हासिल की जा सकती है, और

(घ) क्या सरकार इन पुस्तकों को संस्तुत करने पर विचार करेगी?

श्रम मंत्री (श्री एम. अरुणायलम): (क) जी हां।

(ख) व्यवसाय पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए, रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के राज्य निदेशालय तथा फील्ड संस्थानों द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आईटीसी) के प्रशक्षुओं को लिए पुस्तकें उपसुकेत नहीं पाई गई।

(ग) जी, नहीं।

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा संस्तुत वहुत सी पुस्तकें व्यवसाय प्रशिक्षुओं के लिये उपलब्य है।

(घ) रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के राज्य निदेशालयों/फील्ड संस्थानों के व्यवसाय विषेषज्ञों द्वारा इन पुस्तकों पर पहले ही विचार किया जा चुका है तथा उन्हें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षुयों हेतु उपयोगी नहीं पाया गया।

मध्य प्रदेश में बीडी मजदूरों की मजदूरी को परिवर्तनशील मंहगाई भत्ते से जोडा जाना

3543. डा. जगत्राथ मिश्र.

श्री अजीत जोगी:

क्या श्रम मंत्री यह बताने की क्रपा करेंगे:

(क) क्या मध्य प्रदेश में बीडी मजदूरों की मजदूरी को परिवर्तनशील मंहगाई भत्ते से जोड़ने के कारण बीडी निर्माता अन्य राज्यों में अपना कारोबार बढा रहे हैं क्योंकि वहां बीडी श्रमिकों की मजदूरी दर कम है,

(ख) यदि हा, तो क्या बीडी मजदूरों हेतु कोई राष्ट्रीय वेतन नीति बनायी जाएगी,

(ग) इस समय मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश उड़ीसा और बिहार में मजदूरी की तुलनात्मक दरें कितनी निधार्रित हैं,